---

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (23) खण्ड -{45}

---

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- कौन सा खेल नेचुरल है लेकिन मनुष्य उसे गाडली एक्ट समझते हैं ?

A- स्वर्ग की रचना

B- नेचुरल कैलेमिटीज़

C- सीढ़ी उतरना और चढ़ना

D- महाभारत की लड़ाई

प्रश्न 2- धारणा नहीं होती तो क्या समझना चाहिये

A- देह- अभिमान है

B- अच्छी रीति पढ़ाई नहीं पढ़ते

C- श्रीमत प्रमाण नहीं चलते

D- निश्चय की कमी है

प्रश्न 3- बाबा को बच्चों के नाम भी पूरे याद नहीं रहते क्यों ?

A- क्योंकि देही- अभिमानी रहते है।
B- क्योंकि बाबा पढाई पर अटेंशन
दिलवाते है।
C- क्योंकि शिवबाबा को याद करना है
D- क्योंकि बच्चे फरगति दे देते हैं।
प्रश्न 4- ज्ञान- सागर से निकली हुई ज्ञान गंगाओं को क्या कहा जाता है ?
A- ज्ञान नदियाँ
B- शिव शक्तियां
C- पाण्डव सेना
D- उपरोक्त सभी
प्रश्न 5- ज्ञान का भी एक ही अक्षर कौनसा है?
A- मेरा बाबा
B- खुशी जैसी खुराक नहीं
C- ततत्वम
D- मनमनाभाव
प्रश्न 6- वह कौनसी आत्मा है जिसके संकल्प में भी दुःख की लहर नहीं आती?
A- सुखदायी

B- दैवी आत्मा

C- खुशनसीब

D- भाग्यशाली

प्रश्न 7- भल बीमार हो, खाट पर पड़े हो तो भी क्या करना है ?

A- मुरली पढ़नी है

B- मुरली सुननी है

C- बुद्धि में शिवबाबा की याद रखनी है।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 8- मुरली में कौनसा जादू है ?

A- विश्व का मालिक बनने का

B- रिफ्रेश करने का

C- ज्ञान की बुल-बुल बनने का

D- बेगर टू प्रिंस बनने का

प्रश्न 9-आस्तिक बने हुए बच्चे भी किस एक बात के कारण नास्तिक बन जाते हैं ?

A- ज्ञान की गोली लगने से

B- देह-अभिमान के कारण

C- सर्वव्यापी कहने से

D- माया के कारण

प्रश्न 10- यज्ञ हमेशा किसके द्वारा रचा रचा जाता है ?

A- देवताओं द्वारा

B- ब्राह्मणों द्वारा

C- क्षत्रिय द्वारा

D- बाप द्वारा

प्रश्न 11- परिस्तान किसको कहा जाता था ?

A- नई दुनिया को

B- नई देहली को

C- भारत को

D- सतयुग को

प्रश्न 12- ब्रह्मा के लिए ही क्या गाते है ?

A- ब्रह्मा का दिन और ब्रह्मा की रात

B- ब्रह्मा द्वारा स्थापना

C- ज्ञान सूर्य प्रगटा

D- फर्ट प्रिन्स

प्रश्न 13- यह तन किसकी प्राप्टी है ?

A- लौकिक पिता की

B- अलौकिक पिता की

C- पारलौकिक पिता की

D- रावण की

प्रश्न 14 - 2500 वर्ष के लिए एवरहेल्दी, वेल्दी बनना हो तो कहाँ जाना है?

A- प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय में

B- ईश्वरीय रूहानी पाठशाला में

C- ईश्वरीय नेचर क्योर सेन्टर में

D- अविनाशी रुद्र गीता ज्ञान यज्ञ में

प्रश्न 15- वैजयन्ती माला किसकी है ?

A- कृष्ण की

B- विष्णु की

C- ब्राह्मणों की

D- शिव की

प्रश्न 16- संगमयुग का लक्ष्य क्या है ?

A- आकारी सो निराकारी

B- फरिश्ता सो देवता

C- ब्राह्मण सो देवता

D- ब्राह्मण सो फरिश्ता

---

भाग (23) खण्ड {45} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

---

उत्तर 1- *B नेचुरल कैलेमिटीज*

*ड्रामा में यह जो नेचुरल कैलेमिटीज़ आती हैं, विनाश के समय एक ही समुद्र की लहर में सब खण्ड टापू आदि खत्म हो जाते हैं,* जिसका रिहर्सल अभी भी होता रहता है, *यह सब नेचुरल खेल है। इसे मनुष्य गॉडली एक्ट कह देते हैं।* परन्तु बाबा कहते मैं कोई डायरेक्शन नहीं देता हूँ, यह सब ड्रामा में नूंध है।

उत्तर 2- *A देह अभिमान है*

सचखण्ड की स्थापना करने वाला सच्चा ठहरा ना। यह सब बातें बाबा ही समझाते हैं। *सभी तो धारण कर नहीं सकते क्योंकि देह-अभिमान बहुत है।* जितना देही-अभिमानी होंगे, अपने को आत्मा अशरीरी समझेंगे, बाबा को याद करेंगे तो धारणा होगी। *देह-अभिमानी को धारणा नहीं होगी।* योग से ही आत्मा के पाप दग्ध होते हैं।

उत्तर 3- *C क्योंकि शिवबाबा को याद करना है*

ग्रंथ में भी है चढ़ती कला तेरे भाने सर्व का भला। अक्षर

अच्छे हैं परन्तु जो कुछ पढ़े हैं उनको तो भूलना पड़ता है। *बाबा को तो बच्चों के नाम भी पूरे याद नहीं क्योंकि शिवबाबा को याद करना है* इसलिए बाबा कह देते हैं, खुश रहो, आबाद रहो, न बिसरो, न याद रहो।

उत्तर 4- *B शिव शक्तियां*

प्रदर्शनी में बड़ी हिम्मत चाहिए, समझाने की। पतित-पावन एक बाप ही है। तुम उनको याद करते हो, *यह ज्ञान सागर से निकली हुई ज्ञान गंगायें हैं इनको शिव शक्तियां कहा जाता है।* शिवबाबा से योग लगाने से शक्ति मिलती है। 5 विकारों की जंक निकलती है।

उत्तर 5- *D मनमनाभव*

*तुम बच्चों को अभी ज्ञान का तीसरा नेत्र मिला है* जिससे तुम सृष्टि के आदि मध्य अन्त को जान गये हो। यह है ज्ञान की सैक्रीन। सैक्रीन का एक बूंद भी कितना मीठा होता है। *ज्ञान का भी एक ही अक्षर है मनमनाभव।* यह अक्षर सभी से कितना मीठा है। *अपने को आत्मा समझ और बाप को याद करो।*

उत्तर 6- *C खुशनसीब*

*खुशनसीब आत्मा वह है जिसके संकल्प में भी दु:ख की लहर नहीं आती।* बाप समझाते हैं बच्चे सदैव खुशी में रहने चाहते हो तो मनमनाभव। अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो। भाईयों (आत्माओं) तरफ देखो। भाईयों को भी यह नॉलेज दो। यह टेव (आदत) पड़ जाने से फिर कभी क्रिमिनल आई धोखा नहीं देगी। *ज्ञान के तीसरे नेत्र से तीसरे नेत्र को देखो।*

उत्तर 7. *D उपरोक्त सभी*

अभी तुम जानते हो हम दैवी परिवार का बनने लिए खूब पुरूषार्थ कर रहे हैं। बच्चों को पढ़ना भी कायदेसिर है। *एक दिन भी अबसेन्ट नहीं रहना है। भल बीमार हो, खाट पर पड़े हो तो भी बुद्धि में शिवबाबा की याद रहे।* आत्मा जानती है हम बाबा के बच्चे हैं, बाबा हमको घर ले चलने आया है।

उत्तर 8.*A विश्व का मालिक बनने का*

शुरू में बच्चे मुरली बिगर एक दिन भी रह नहीं सकते थे, कितना तड़पते थे। (क्लास में बड़ी बहिनों ने गीत सुनाया- *तेरी मुरली में जादू..*) बांधेलियों को कैसे मुरली पहुंचाते

थे! *मुरली में ही जादू है ना। कौन सा जादू? विश्व का मालिक बनने का जादू।* इससे बड़ा जादू कोई होता नहीं।

उत्तर 9. *B देह अभिमान के कारण*

*देह-अभिमान के कारण*, जो कहते हम सब कुछ जानते हैं। पुरानी चाल छोड़ते नहीं। ज्ञान की गोली लगने के बाद फिर माया की गोली खाते रहते। *मैं आत्मा हूँ, देही-अभिमानी बनना है, इस बात को भूलने से आस्तिक बने हुए भी नास्तिक बन जाते हैं।* ईश्वरीय गोद से मर जाते हैं।

उत्तर 10. *B ब्राह्मणों द्वारा*

*यज्ञ हमेशा ब्राह्मणों द्वारा रचा जाता है।, मिलता भी ब्राह्मणों को है।* ब्राह्मण वर्ण ही सो देवता वर्ण बनता है। *शिवबाबा ब्रह्मा द्वारा ब्राह्मण बनाते हैं। ब्राह्मण फिर देवता बनते हैं।* कितनी सीधी बात है, परन्तु बच्चों पर बड़ा वन्डर लगता है जो इतनी सहज बात भी कई बच्चे धारण नहीं कर सकते हैं।

उत्तर 11. *B नई देहली को*

किसको भी समझाना है कि आज से 5 हजार वर्ष पहले भारत गार्डन आफ गॉड था। मनुष्य बहुत सुखी थे। *नई

दुनिया में सिर्फ भारत ही था।* कोई भी खण्ड का नाम निशान भी नहीं था। *नये भारत में फिर नई देहली भी थी, जिसको परिस्तान भी कहा जाता था।* भारत हीरे जैसा था, उसको ही सुखधाम भी कहते थे।

उत्तर 12. *A ब्रह्मा का दिन और ब्रह्मा की रात*

वह भी घड़ी है, यह बेहद की घड़ी है। उसमें भी क्वार्टर, हाफ और फुल दिखाया है, इसमें भी ऐसे है। 4 हिस्से हैं। 15-15 मिनट मिले हुए हैं। वैसे यह फिर एक से शुरू करेंगे। इसमें आधाकल्प है दिन, आधाकल्प है रात। जैसे नक्शे में देखा - नार्थ पोल में 6 मास रात होती है तो जरूर साउथ पोल में 6 मास दिन होगा। *यहाँ भी ब्रह्मा का दिन आधाकल्प तो ब्रह्मा की रात आधा-कल्प।*

उत्तर 13. *D रावण की*

*मीठे बच्चे - यह तन रावण की प्रापर्टी है*, इसे रावण को देकर अशरीरी बन घर जाना है इसलिए इससे ममत्व निकाल दो"

उत्तर 14. *C ईश्वरीय नेचर क्योर सेंटर में*

भल यह भी लिख दो कि *2500 वर्ष के लिए

एवरहेल्दी, वेल्दी बनना हो तो आओ इस ईश्वरीय नेचर क्योर सेन्टर में*। परन्तु यह लिखेंगे भी वह जिसमें ज्ञान होगा। ऐसे थोड़ेही सेन्टर हम खोलते हैं

उत्तर 15. *B विष्णु की*

बाबा आकर मनुष्य को देवता बनाते हैं क्योकि बाबा ही स्वर्ग की स्थापना करते हैं। ब्राह्मणों की माला नहीं गाई जाती है। *वैजयन्ती माला विष्णु की है।* यह है ईश्वरीय घराना, जो अब नया शुरू होता है।

उत्तर 16. *B फरिश्ता सो देवता*

जिस आत्मा को जिस शक्ति की आवश्यकता है उसे अपनी मन्सा अर्थात् शुद्ध वृत्ति, वायब्रेशन द्वारा शक्तियों का दान दो और कर्म द्वारा गुण मूर्त बन, गुण धारण करने में सहयोग दो। तो इसी विधि से *संगमयुग का जो लक्ष्य है "फरिश्ता सो देवता*" यह सहज सर्व में प्रत्यक्ष दिखाई देगा।

---

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (23) खण्ड -{46}

---

प्रश्न 1- हम सबको बाप ने संगमयुग पर ही बड़े-ते-बड़ी गिफ्ट

क्या दी है?

A- मुबारक के कार्ड

B- खाने-पीने की मीठी चीजें

C- हथेली पर स्वर्ग

D- बाप का दिलतख्त

प्रश्न 2- विश्व की राजाई तो कितने जन्म होगी ?

A- 21
B- 20
C- 8
D- 1

प्रश्न 3- बेफ़िक़र बादशाही और दिलतख्त कितने जन्म के लिए मिलते हैं ?

A- 21
B- 20
C- 8
D- 1

प्रश्न 4- पाण्डवपति कौन है ?

A- अर्जुन

B- श्रीकृष्ण

C- ब्रह्मा

D- शिव

प्रश्न 5- श्री नारायण जब खुद पुजारी बनते हैं तो किसकी बैठ पूजा करते हैं?

A- शिव की

B- शंकर की

C- श्रीकृष्ण की

D- नारायण की

प्रश्न 6- जो सर्विसएबुल बच्चे होंगे वो पिछाड़ी में किसके मिसल स्थेरियम रह सकेंगे?

A- अर्जुन

B- अंगद

C- महारथी

D- हनुमान

प्रश्न 7- तुमको कौन सी सिर्फ दो बातों की गांठ बाँधनी है ?

A- अकेले आये थे, अकेले जाना है

B- बाप, वर्सा

C- मनमनाभव, मध्याजीभव

D- शान्तिधाम, सुखधाम

प्रश्न 8- क्या बनो तो चेहरे से खुशनसीबी की झलक दिखाई देगी?

A- बाप समान

B- सर्वगुणसम्पन्न

C- डबल लाइट

D- अनुभवी स्वरूप

प्रश्न 9- स्टूडेंट को तो किस चीज की हबच (लालच) होनी चाहिए?

A- पैसे कमाने की

B- विश्व का बादशाह बनने की

C- पास विद ऑनर हो जाऊं

D- नॉलेज की

प्रश्न 10- आत्मा के घर खुशी से कौन जायेगा ?

A- जिसका बुद्धि योग अच्छा होगा

B- जिसको कोई भी बन्धन अपनी तरफ
आकर्षित न करे

C- जो कर्मातीत बन जायेगा

D- जिसका आने - जाने का अभ्यास होगा

प्रश्न 11- दुनिया वाले तो पुकारते रहते - "एक बूंद के प्यासे हम' और आप क्या कहते हो ?

A- हम ज्ञान धन के प्यासे है

B- हम भगवान के पास है।
C- हम वर्से के अधिकारी है।
D- हम आपको जीवन में मुक्ति डबल दिला सकते है।
प्रश्न 12- 21 जन्मों के लिए सदा सुखी बनने के लिए इस थोड़े समय में कौन सी आदत डालनी है ?
A- आत्म अभिमानी बनने की
B- देही अभिमानी बनने की
C- अशरीरी बनने की
D- निराकारी बनने की
*प्रश्न 13*- आत्मा को अपने बाप को याद करना है, बाकी क्या नहीं करना ?
A- शिव काशी, शिव काशी
B- शिवोहम, शिवोहम
C- शिव, शिव
D- उपरोक्त सभी
*प्रश्न 14*- बाप के पास किस बात का भेद नहीं है ?
A- विकारी और निर्विकारी का
B- गरीब व साहूकार का
C- ऊँच और नीच का

D- मनुष्य और जानवर का

*प्रश्न 15*- इनमें से कौन सा शिवालय नहीं है ?

A- निर्वाणधाम

B- शिव के मंदिर

C- मधुबन

D- स्वर्ग

*प्रश्न सं 16*- जो पुरूष (आत्मा) समझ, रथ ( शरीर) द्वारा कार्य कराते हैं वही कौन हैं ?

A- मास्टर शक्तिशाली

B- सच्चे सेवाधारी

C- सच्चे पुरूषार्थी

D- कर्मयोगी

---

भाग (23) खण्ड {46} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

---

1. *C हथेली पर*

आप सबको बाप ने संगमयुग पर ही बड़े-ते-बड़ी गिफ्ट क्या दी है? बापदादा सदा कहते हैं कि मैंने आप बच्चों के

लिए *हथेली पर स्वर्ग का राज्य-भाग्य* लाया है। तो सबकी हथेली पर स्वर्ग का राज्य-भाग्य है ना।

2. *B 20 जन्म*

कुमारियों को क्या फिक्र होता है? नौकरी का कि अच्छी नौकरी मिले, फिक्र है क्या? बेफिक्र हो ना! जिसको फिक्र होगा वह बेफिक्र बादशाही का मजा नहीं ले सकेंगे। *विश्व की राजाई तो 20 जन्म होगी*

3. *D 1 जन्म*

बेफिक्र हो ना! जिसको फिक्र होगा वह बेफिक्र बादशाही का मजा नहीं ले सकेंगे। विश्व की राजाई तो 20 जन्म होगी लेकिन यह *बेफिक्र बादशाही और दिलतख्त - यह एक ही इस युग में मिलते हैं एक जन्म के लिए।* तो एक का महत्व है ना!।

4. *D शिव*

वह गीता सुनाने वाले कभी भी ऐसा नहीं कहते कि *शिवबाबा ने योग सिखाया*। गीता में दिखाया है एक अर्जुन को ही बैठ कृष्ण सुनाते हैं। ऐसी तो बात है नहीं। यह तो मनुष्य से देवता बनना है और पाण्डव सेना है जरूर, पाण्डवों

की सेना को ही नॉलेज मिलती है और पाण्डवपति ही देते हैं। *161*

उत्तर 5- *D नारायण की*

बाबा कहते हैं नम्बर वन में 84 जन्म इसने लिए हैं। जो नम्बर वन पावन, सर्वगुण सम्पन्न है... उनको भी पतित बनना पड़े, तब फिर पावन बनें। 84 जन्मों का हिसाब है ना। आपे ही पूज्य... *वही श्री नारायण जब खुद पुजारी बनते हैं तो नारायण की बैठ पूजा करते हैं*। वन्डर है ना।

उत्तर 6- *D हनुमान*

सर्विस में बहुत फायदा है। विनाश तो होना ही है। अर्थक्वेक आदि होंगे, सभी डैम्स आदि फट पड़ेंगे। आफतें तो बहुत आने वाली हैं। जिनको ज्ञान होगा वह तो डांस करते रहेंगे। *जो सर्विसएबुल बच्चे हैं वो ही पिछाड़ी में हनूमान मिसल स्थेरियम रह सकेंगे।*

उत्तर 7- *C मनमनाभाव, मध्याजीभव*

मनुष्यों को कोई बात याद करनी होती है तो गांठ बांध लेते हैं। *तुम भी सिर्फ दो बातों की गांठ बांध लो। किसको

सिर्फ यह दो बातें सुनाते रहो कि बाप कहते हैं; मनमनाभव, मध्याजीभव।*

उत्तर 8- *D अनुभवी स्वरूप*

*अनुभवी स्वरूप बनो तो चेहरे से खुशनसीबी की झलक दिखाई देगी।*

उत्तर 9- *D नॉलेज की*

तुम किसको बैठ इन देवताओं की जीवन कहानी बतायेंगे तो तुमको बहुत पैसे मिलेंगे। यह भी समझा वही सकता है जो देही-अभिमानी है। देह-अभिमानी को तो सारा दिन यह चाहिए, यह चाहिए, हबच (लालच) रहती है। *स्टूडेन्ट को तो नॉलेज की हबच होनी चाहिए* तो मैं पास विद ऑनर हो जाऊं। यह है पढ़ाई का लक्ष्य।

उत्तर 10- *D जिसका आने - जाने का अभ्यास होगा*

“जाना" और “आना" - यही ज्ञान और योग है, इसी अभ्यास में दिन-रात लगे हुए हो। बुद्धि में घर जाने की और फिर राज्य में आने की खुशी है। जैसे मधुबन अपने घर में आते हो तो कितनी खुशी रहती है। जब से टिकेट बुक कराते हो तब से जाना है, जाना है - यह बुद्धि में याद रहता है ना! तो

जब मधुबन घर की खुशी है तो आत्मा के घर जाने की भी खुशी है। *लेकिन खुशी से कौन जायेगा? जितना सदा यह “आने" और “जाने" का अभ्यास होगा।*

उत्तर 11- *C हम वर्से के अधिकारी है*

दिव्य बाप को जानने अथवा देखने के लिए दिव्य बुद्धि और दिव्य दृष्टि चाहिए जो बाप ने आप विशेष आत्माओं को दी है इसलिए आप ब्राह्मण ही जान सकते और मिलन मना सकते हो। *दुनिया वाले तो पुकारते रहते - “एक बूंद के प्यासे हम" और आप क्या कहते हो? हम वर्से के अधिकारी हैं*, कितना अन्तर है - कहाँ प्यासी और कहाँ अधिकारी!

उत्तर 12 - *B देही अभिमानी बनने की*

मीठे बच्चे - *21 जन्मों के लिए सदा सुखी बनने के लिए इस थोड़े समय में देही-अभिमानी बनने की आदत डालो"

*उत्तर 13- C. शिव, शिव*

*बाप को बार-बार याद करो। सिमर सिमर सुख पाओ, कलह क्लेष मिटे सब तन के* अर्थात् तुम एवरहेल्दी बन

जायेंगे। बाप ने मन्त्र दिया है कि मुझे सिमरो अर्थात् याद करो, *ऐसे नहीं कि शिव-शिव बैठ सिमरो।*

*उत्तर 14-. B. गरीब व साहूकार का*

हर एक को पुरुषार्थ से अपना ऊंच पद पाने का अधिकार है। आगे चल सबको अपने पद का साक्षात्कार होगा। *बाबा कहते हैं मैं हूँ गरीब निवाज़ इसलिए अभी गरीब बच्चों की सब आशायें पूरी होती हैं।* यह अन्तिम समय है। किसकी दबी रहेगी धूल में..... *जो बाप को इनश्योर करते हैं, उनका सफल होता है।*

*उत्तर 15-. B. शिव के मन्दिर*

*यह है चैतन्य शिवालय, जिससे तुम बातचीत कर सकते हो। वह निर्वाणधाम भी शिवबाबा का शिवालय है, जहाँ हम आत्मायें रहती हैं।* वह घर सबको याद पड़ता है। वहाँ से हम आते हैं पार्ट बजाने - सतो रजो तमो में, उसमें हर एक को आना ही है। यह बात दुनिया में किसकी बुद्धि में नहीं है, जो भी आत्मायें हैं उन सबको अपना-अपना अनादि पार्ट मिला हुआ है, जिसकी न आदि है, न अन्त है। *तुम बच्चे

जानते हो हम असुल उस शिवालय के रहने वाले हैं। शिवबाबा जो स्वर्ग स्थापन करते हैं उनको भी शिवालय कहा जाता है।*

*उत्तर 16- C. सच्चे पुरुषार्थी*

*आत्मा पुरुष है जो इस पांच तत्वों से बने हुये शरीर रूपी रथ में सवार हो अपना पार्ट बजाती है।* यह ज्ञान अभी इस संगम पर बाबा ने हमे दिलाया है। उंचे ते उंची श्रीमत भी रोज बाबा हमे दिलाते है। श्रेष्ठ कर्म करने से ही हमारा इतना उंचा भाग्य बनता है, जो की हम २१ जन्म तक सुख-शांति-ऐश्वर्यसंपन्न पवित्र गृहस्थ आश्रम में रहते है। *यह आत्म स्मृती ही हमारे पुरुषार्थ का मूल आधार है।*

---